अमर उजाला

01:30 दोपहर
गौचर से राहत सामग्री लेकर गुप्तकाशी पहुंचा। यहां से कुछ बचाव कर्मियों के साथ केदारनाथ रवाना

03:00
केदारनाथ में सामग्री उतारकर हेलीकॉप्टर ने गौचर के लिए उड़ान भरी

03:10
लगभग दस मिनट बाद गौरीकुंड में दुर्घटनाग्रस्त

## आपदा के बाद फिर दहली देवभूमि

# गौरीकुंड में हेलीकॉप्टर क्रैश

## 19 के मरने की आशंका

खराब मौसम के चलते हुआ हादसा, आठ शव मिले, केदारनाथ में शवों के अंतिम संस्कार की सामग्री पहुंचाकर लौट रहा था एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर, मृतकों में वायुसेना के एक विंग कमांडर, दो फ्लाइट लेफ्टिनेंट, एक जूनियर वारंट अफसर और एक सार्जेंट शामिल, हेलीकॉप्टर में एनडीआरएफ और आईटीबीपी कर्मी और तीन यात्री भी सवार थे

अमर उजाला ब्यूरो

**नई दिल्ली/देहरादून।** उत्तराखंड में भयावह तबाही मचा चुका मौसम एक बार फिर दर्दनाक हादसे का सबब बन गया। मंगलवार को वायुसेना का एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर केदारघाटी में क्रैश हो गया। गौरीकुंड के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी 19 लोगों के मारे जाने की आशंका है। आठ लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। केदारनाथ से लौट रहे इस हेलीकॉप्टर में वायुसेना के अफसरों के अलावा एनडीआरएफ और आईटीबीपी कर्मी और कुछ आम नागरिक भी सवार थे। देर शाम तक बाकी लोगों को ढूंढने की कोशिश की जा रही थी। इस हादसे से राहत और बचाव अभियान को बड़ा झटका लगा है, लेकिन वायुसेना ने कहा है कि वह उत्तराखंड में अपना अभियान जारी रखेगी।

वायुसेना के सबसे बड़े हेलीकॉप्टरों में शुमार एमआई-17 वी-5 से मंगलवार को केदारनाथ में शवों के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी और अन्य सामग्री पहुंचाई जा रही थी। दो सफल उड़ान के बाद तीसरी बार यह हेलीकॉप्टर दोपहर बाद करीब तीन बजे गौचर से गुप्तकाशी और केदारनाथ के लिए रवाना हुआ। सामग्री उतारने के बाद वहां से तीन लोगों को लेकर जब हेलीकॉप्टर केदारनाथ से लौट रहा था, तभी उसका संपर्क अचानक टूट गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के उपाध्यक्ष एम शशिधर रेड्डी ने बताया कि हेलीकॉप्टर में वायुसेना, एनडीआरएफ, आईटीबीपी के कर्मियों समेत 19 लोग थे। इनमें से किसी के जीवित बचने की उम्मीद कम ही है। आठ शव बरामद कर लिए गए हैं। अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। दिल्ली में वायुसेना की प्रवक्ता ने बताया कि हादसे की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में पांच वायुसेना अफसर भी शामिल हैं।

रुद्रप्रयाग के एसपी वरिंदरजीत सिंह ने कहा कि क्रैश के कारणों का फिलहाल पता नहीं लगा है, लेकिन माना जा रहा है कि खराब मौसम की वजह से यह हादसा हुआ। वायुसेना के एक अधिकारी ने भी बताया कि बारिश और धुंध के बीच यह हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ। यह हेलीकॉप्टर पश्चिम बंगाल स्थित पूर्वी कमान के तहत आने वाले बैरकपुर एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात था।

मंगलवार को गौचर से केदारनाथ के लिए उड़ान भरता वायुसेना का एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर।

### पहली बार केदारनाथ गया एमआई-17

मंगलवार को पहली बार एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर को केदारनाथ में दो टन सामग्री के साथ भेजा गया। इससे पहले सुबह 10 बजे गौरीकुंड से दो एमआई-17 वी-5 का इस्तेमाल किया गया। इस हेलीकॉप्टर ने दो उड़ानें सफलता पूर्वक भरी थीं।

### रात आठ बजे तक हेलीकॉप्टर में लगी थी आग

आठ शव बरामद कर लिए गए हैं। हेलीकॉप्टर में सवार 19 लोगों में से किसी के जीवित बचने की उम्मीद कम ही है।
**- एम शशिधर रेड्डी, एनडीएमए उपाध्यक्ष**

### दुर्घटना के संभावित कारण

- खराब मौसम, केदारघाटी में छायी थी धुंध, हल्की बारिश भी हो रही थी
- संकरी पहाड़ियों से गुजरना बेहद मुश्किल
- हेलीकॉप्टर को कम ऊंचाई पर उड़ाया जाना

### एमआई-17 वी-5

यह वायुसेना के सबसे बड़े हेलीकॉप्टरों में से एक है। पिछले साल से ही यह हेलीकॉप्टर वायुसेना में शामिल होना शुरू हुए हैं। भारत ने रूस के साथ ऐसे 80 हेलीकॉप्टर की खरीद का सौदा किया है। यह सामान ढोने और अटैक करने के काम करता है। दो से तीन टन तक सामग्री या 24 लोगों को एक बार में ले जा सकता है।

### दूसरा क्रैश

उत्तराखंड में तबाही के बाद यह दूसरा हेलीकॉप्टर क्रैश है, इससे पहले गौरीकुंड के पास ही एक निजी हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था, जिसमें पायलट घायल हो गया था।

## बारिश बनी मुसीबत, पांच हजार लोग अब भी फंसे

दो हजार लोगों को ही निकाला जा सका मंगलवार को

अमर उजाला ब्यूरो

**देहरादून।** आपदा प्रभावित क्षेत्रों में फंसे तीर्थयात्रियों और इन्हें बचाने में लगे जवानों के लिए बारिश मुसीबत बन गई है। खराब मौसम के चलते मंगलवार को सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ का बचाव अभियान बुरी तरह प्रभावित रहा। दोपहर बाद ही बचाव अभियान रफ्तार पकड़ पाया। बारिश, बादल और धुंध के चलते साढ़े छह से सात हजार फंसे लोगों को निकालने का लक्ष्य लेकर चले जवान लगभग दो हजार लोगों को ही निकालने में कामयाब हो सके।

उत्तराखंड के मुख्य सचिव सुभाष कुमार के मुताबिक शाम तक के अभियान के बाद अब भी पांच हजार लोग फंसे हैं। हालांकि सोमवार को यह संख्या चार हजार बताई थी। सेना की मध्य कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चैत ने अभियान का निरीक्षण कर हर्षिल में फंसे लोगों से बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि दो दिन के भीतर सभी को निकाल लिया जाएगा।

चमोली और उत्तरकाशी जिले में सेना का बचाव अभियान मंगलवार को भी जारी रहा। हर्षिल से 369 लोगों को निकाले जाने के बाद 1000 लोग अब भी फंसे हैं। चमोली जिले से लगभग 1100 लोग निकाले जा सके।

**142** शव और मिले
**822** हुई मरने वालों की संख्या

### बादल फटा, मां और बेटा लापता

सोमवार देर रात टिहरी जिले के बौंठा गांव के पास बादल फटने से सुखदे देवी (35) और उनका 10 वर्षीय पुत्र विकास पानी में बह गए।

### केदारनाथ में दो सप्ताह बाद शुरू होगी पूजा

**देहरादून।** दो सप्ताह बाद केदारनाथ मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना शुरू हो सकेगी। श्री बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि मंदिर से मलबा हटाने और शुद्धिकरण के बाद विधिवत पूजा अर्चना की जाएगी। इस संबंध में मंदिर समिति के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। हालांकि मार्ग अवरुद्ध होने से यहां यात्री दर्शनों को नहीं आ सकेंगे।

पहाड़ों पर प्रलय
देखें पेज-11,12,13,16

### भारी बारिश की चेतावनी

उत्तराखंड में मंगलवार को कई जगह बारिश हुई। आपदा प्रभावित जिलों में चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी में भी कई जगह तेज बौछारें पड़ीं। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटे में इन जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा पूरे उत्तराखंड में अनेक स्थानों पर भारी बारिश की आशंका है।

### अमर उजाला फाउंडेशन उत्तराखंड रिलीफ फंड

पिछली प्राप्त राशि - ₹6,96,570
24 जून को प्राप्त राशि - ₹7,16,507
24 जून तक कुल ₹14,13,077

AMAR UJALA FOUNDATION